भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2417

सोमवार, 3 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बागपत में पर्यटन को बढ़ावा देना

2417. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के बागपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आवंटित निधि तथा किए गए व्यय का वर्ष-वार, योजना-वार और मद-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उपरोक्त अवधि के दौरान इस निधि में से उक्त निर्वाचन क्षेत्र में किए गए पर्यटन संबंधी विकासात्मक कार्यों, सांस्कृतिक एवं पर्यटन प्रोत्साहन संबंधी कार्यक्रमों, मेलों, त्योहारों, विरासत संरक्षण, पर्यटन अवसंरचना के विकास तथा अन्य कार्यकलापों का स्थान, तिथि और उपयोग की गई निधि सहित ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने पर्यटकों के आगमन की संख्या, स्थानीय रोजगार, पर्यटन से होने वाली आय और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर उक्त योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभाव का कोई मूल्यांकन किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0), 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। यह वित्तीय सहायता, निधियों की उपलब्धता, योजना दिशा-निर्देशों तथा समय-समय पर जारी अन्य निर्देशों के अनुपालन तथा संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है।

वर्ष 2016-17 के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में आध्यात्मिक परिपथ के तहत एक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें आहर - अलीगढ़ -

कासगंज - सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर को शामिल किया गया था। इस परियोजना की स्वीकृत लागत 71.91 करोड़ रु. थी। इस परियोजना में बागपत सहित कई गंतव्यों/स्थानों को शामिल किया गया था और कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा इसे भौतिक रूप से पूर्ण बताया गया है।

मंत्रालय नियमित रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने और पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के सुदृढ़ संचालन एवं प्रबंधन (ओएंडएम) को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि आगंतुकों की संख्या बढ़ाई जा सके, स्थानीय रोजगार सृजित किया जा सके और पर्यटकों की समग्र संतुष्टि को बढ़ाया जा सके।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय डिजिटल प्लेटफॉर्मों, जिसमें मंत्रालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल शामिल हैं, के माध्यम से विभिन्न प्रचार गतिविधियों द्वारा उत्तर प्रदेश सहित देश के पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। मंत्रालय घरेलू संवर्धन और प्रचार योजना (डीपीपीएच) के अंतर्गत मेलों और महोत्सवों के प्रोत्साहन हेतु राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) भी प्रदान करता है। वर्तमान वर्ष सहित पिछले पाँच वर्षों के दौरान डीपीपीएच योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को प्रदान की गई वित्तीय सहायता की राशि का विवरण नीचे दिया गया है।

(लाख रु. में)

वर्ष	**मेलों और महोत्सवों के नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी राशि**
2022-23	फिरोज़ाबाद महोत्सव	25.00	25.00
2023-24	फिरोज़ाबाद महोत्सव	25.00	25.00
	हाथरस महोत्सव	25.00	25.00

*****